an>

Title: Regarding threats being posed to the existence of the sacred river 'the Ganges'.

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद) : माननीय अध्यक्ष महोदय, भारत के लिए गंगा केवल एक नदी ही नहीं है, बल्कि यह भारत की संस्कृति और सभ्यता से जुड़ी हुई है। गंगा नदी हमारे देश में अनादिकाल से प्रवाहित होती चली आ रही है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने कहा है कि वर्ष 2030 तक गंगा विलुप्त हो जाएगी। [r16] उसके कई कारण हैं। करीब 20 किलोमीटर तक हमारे जो ग्लेशियर्स थे, वे गल गये हैं और आने वाले वर्षों में 30 मीटर की दर से हर साल ग्लेशियर गल रहे हैं। अगर यही प्रक्रिया बनी रही तो गंगा बचेगी नहीं।

मैं इलाहाबाद से आता हूं। इलाहाबाद में हर साल माघ मेला लगता है और 6 और 12 साल में कुम्भ मेला लगता है, जहां लाखों और करोड़ों लोग आते हैं।

मैं आपसे मांग करता हूं कि आप सरकार को निर्देश दें कि गंगा प्राधिकरण बनाये और गंगा को बचाने के लिए गंगा नदी में पानी छोड़ा जाये। आज गंगा इलाहाबाद में इस तरह से बह रही है, जैसे कोई नाला हो। वहां पूरी गंदगी उस नाले में जा रही है। मैं मांग करूंगा कि वहां सी.पी. लगाया जाये और गंगा में पानी छोड़ा जाये। केवल बांधों में पानी रोक कर गंगा को प्रवाहित होने से जो रोका जा रहा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप समाप्त करिये।

श्री रेवती रमन सिंह : मान्यवर, आप निर्देश तो दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमने आपको सुना है, हमने आपको एलाऊ किया तो वही निर्देश है।